



Devanshu



Muskan

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121446101

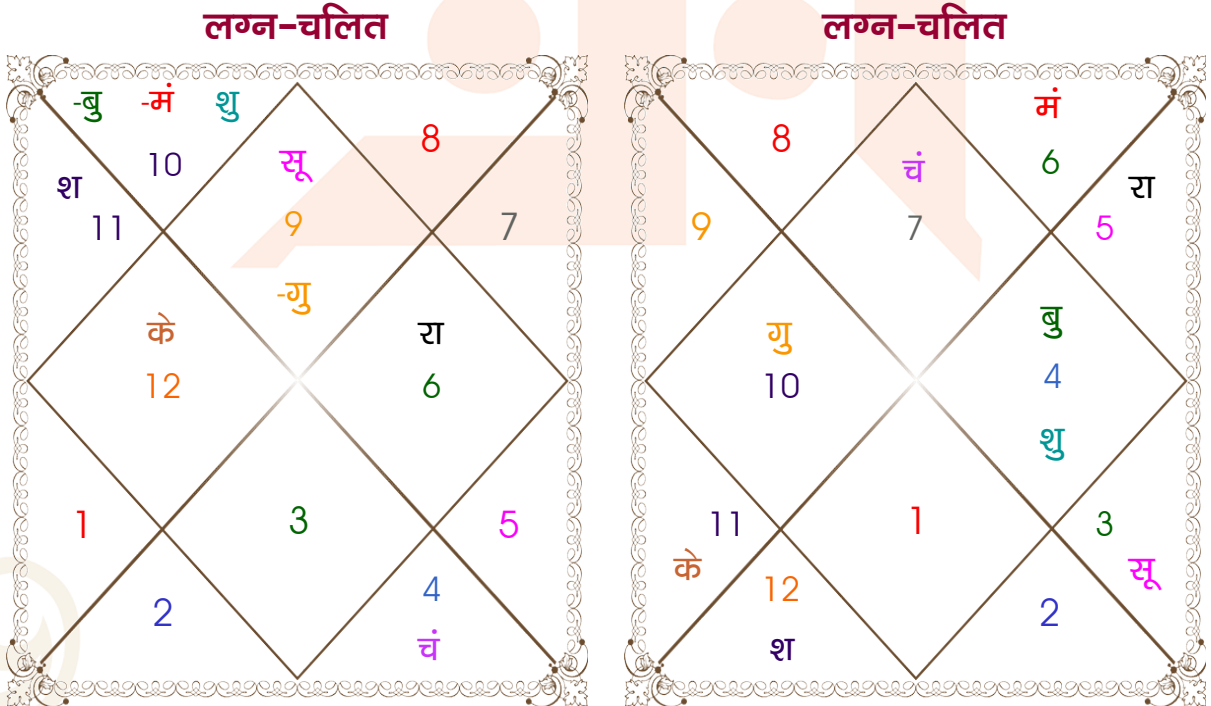
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/01/1996 :	जन्म तिथि	: 13/07/1997
सोमवार :	दिन	: रविवार
घंटे 07:40:00 :	जन्म समय	: 13:40:00 घंटे
घटी 00:23:22 :	जन्म समय(घटी)	: 20:06:32 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Delhi
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:30:39 :	सूर्योदय	: 05:32:08
17:45:18 :	सूर्यास्त	: 19:21:16
23:48:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:20
धनु :	लग्न	: तुला
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
कर्क :	राशि	: तुला
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: शुक्र
आश्लेषा :	नक्षत्र	: चित्रा
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
1 :	चरण	: 3
विष्कुम्भ :	योग	: सिद्ध
वणिज :	करण	: बव
डी-डीगेश्वर :	जन्म नामाक्षर	: रा-राखी
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क
विप्र :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
मार्जार :	योनि	: व्याघ्र
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
श्वान :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 15वर्ष 11मा 19दि	24:36:04	धनु	लग्न	तुला	11:56:43	मंगल 2वर्ष 5मा 9दि
शुक्र	23:15:42	धनु	सूर्य	मिथु	27:09:07	गुरु
28/12/2018	17:28:28	कर्क	चंद्र	तुला	02:00:48	22/12/2017
28/12/2038	05:54:27	मक	मंगल	कन्या	17:47:55	22/12/2033
शुक्र 28/04/2022	11:03:39	मक	बुध	कर्क	15:28:47	गुरु 09/02/2020
सूर्य 28/04/2023	07:16:23	धनु	गुरु व	मक	26:25:04	शनि 22/08/2022
चन्द्र 27/12/2024	27:31:21	मक	शुक्र	कर्क	23:50:46	बुध 27/11/2024
मंगल 26/02/2026	26:06:19	कुंभ	शनि	मीन	26:13:05	केतु 03/11/2025
राहु 26/02/2029	28:18:20	कन्या व	राहु व	सिंह	27:52:40	शुक्र 04/07/2028
गुरु 28/10/2031	28:18:20	मीन व	केतु व	कुंभ	27:52:40	सूर्य 22/04/2029
शनि 28/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	13:31:13	चन्द्र 22/08/2030
बुध 27/10/2037	01:08:23	मक	नेप व	मक	04:57:38	मंगल 29/07/2031
केतु 28/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:15:40	राहु 22/12/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

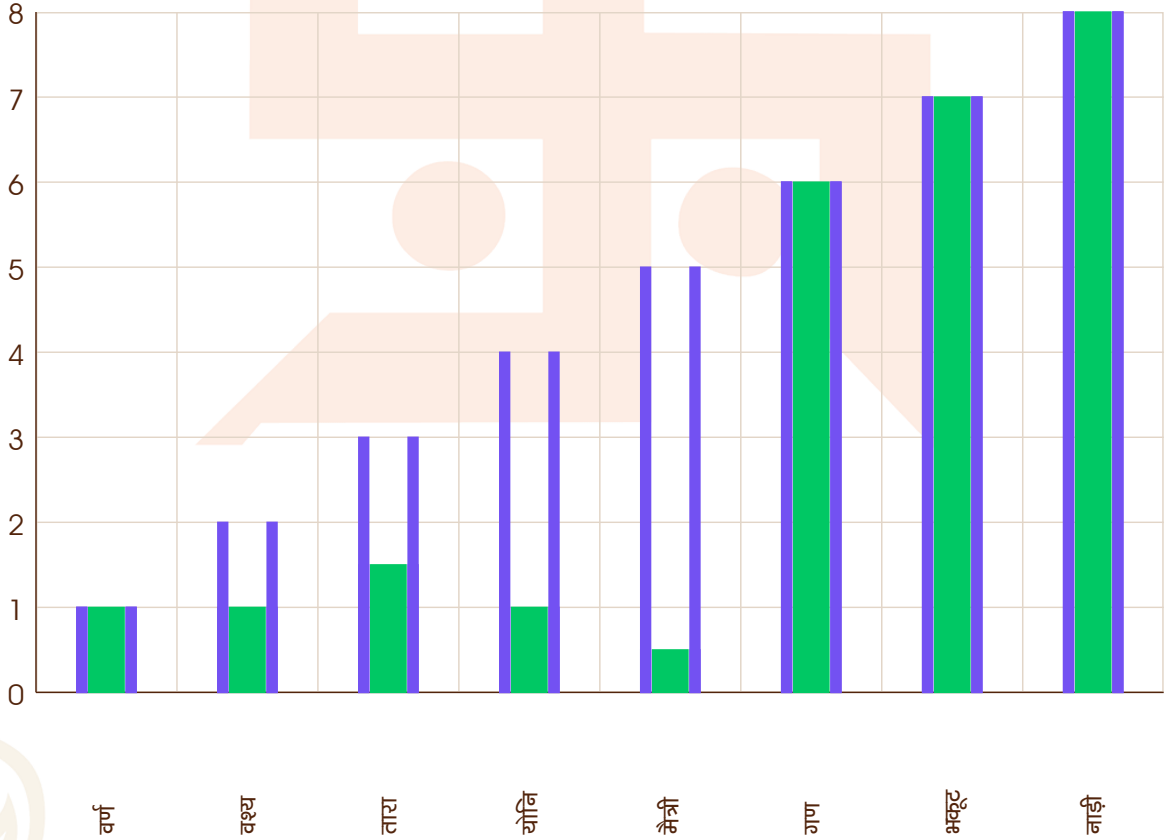
23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:20



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : 26 / 36



अष्टकूट मिलान

कमअंदीन का वर्ग श्वान है तथा डनेांद का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कमअंदीन और डनेांद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

कमअंदीन मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डनेांद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डनेांद कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि कमअंदीन कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

कमअंदीन तथा डनेांद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

कमअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा डनोंद का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। डनोंद सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेगी। डनोंद एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेगी।

वश्य

कमअंदीन का वश्य जलचर है एवं डनोंद का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में डनोंद अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि कमअंदीन उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

कमअंदीन की तारा प्रत्यरि तथा डनोंद की तारा साधक है। कमअंदीन की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत कमअंदीन कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप डनोंद को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

कमअंदीन की योनि मार्जार है तथा डनोंद की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुँच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व क्लेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में कमअंदीन का राशि स्वामी इनोद के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि इनोद का राशि स्वामी कमअंदीन के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

कमअंदीन का गण राक्षस है तथा इनोद का गण भी राक्षस है। अर्थात् इनोद का गण कमअंदीन के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण कमअंदीन एवं इनोद दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

कमअंदीन से इनोद की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा इनोद से कमअंदीन की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण कमअंदीन परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर इनोद घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

कमअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा इनोद की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

कमअंदीन की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा डनेांद की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। जलतत्व एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण कमअंदीन और डनेांद के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेगी जिससे मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

कमअंदीन और डनेांद की जन्म राशियां परस्पर शत्रु एवं सम भाव में पड़ती है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं है। इसके प्रभाव से उनके मध्य मतभेद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वाद विवाद में बुद्धि होगी तथा परस्पर संबंधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। यदि सामंजस्य से कार्य किया जाय तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

कमअंदीन और डनेांद की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से कमअंदीन और डनेांद एक दूसरे के प्रति सहयोग सम्मान एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। तथा मन में आकर्षण भी रहेगा। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता आएगी। डनेांद की प्रवृत्ति गृह कार्यों के प्रति अधिक रहेगी तथा घर एवं बच्चों के प्रति पूर्ण ध्यान रखेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा सुख पूर्वक जीवन व्यतीत होगा।

कमअंदीन का वश्य जलचर एवं डनेांद का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर के मध्य नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण कमअंदीन और डनेांद की अभिरुचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक विषमता भी बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त एक दुसरे की काम भावनाओं की शांति एवं सन्तुष्टि में भी असमर्थ से रहेंगे।

कमअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा डनेांद का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों की कार्य क्षमता में भी असमानता रहेगी। कमअंदीन शैक्षणिक क्षेत्र शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। डनेांद की प्रवृत्ति परिश्रम एवं ईमानदारी से किसी भी कार्य को करने के लिए तत्पर रहेंगी।

धन

कमअंदीन और डनेांद की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन डनेांद पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

कमअंदीन की प्रवृत्ति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य

व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

कमअंदीन की नाड़ी अन्त्य तथा डनेांद की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से कमअंदीन का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी कमअंदीन पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग किया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए कमअंदीन को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी कमअंदीन के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से कमअंदीन और डनेांद का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति डनेांद के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः डनेांद को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुंदर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

कमअंदीन और डनेांद बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः कमअंदीन और डनेांद का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डनेांद के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का

सामना करना पड़ेगा तथापि यदि डनोंद धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से डनोंद के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी डनोंद का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी डनोंद से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

कमअंदीन के अपनी सास से मधुर संबध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को कमअंदीन अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी कमअंदीन के संबधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण कमअंदीन के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।